सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 46 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 21 मार्च, 2023
मूल्य ₹ 3/-

मैं श्रम की गरिमा में यकीन रखता हूं, चाहे वो दिमाग से हो या हाथ से, दुनिया किसी की जीविका के लिए जिम्मेदार नहीं है पर यह हर व्यक्ति को जीविका के अवसर देने के लिए जिम्मेदार है।

-जॉन डी. रॉकफेलर

भाजपा-कांग्रेस-सीपीएम मिले, टीएमसी को... 2
क्या देवगौड़ा को मिलेगा कर्नाटक... 3
मनचलों की छेड़खानी का शिकार... 7

सांसद जी... जनता सब देख रही

अब बस हो गया, हमारी भी सुध ले लो सरकार

» संसद में सातवें दिन भी जारी रहा हंगामा

» विपक्ष-सत्ता पक्ष टस से मस नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सत्ता पक्ष व विपक्ष की जिद के चलते सदन का सातवां दिन भी शोरशराबे की भेंट चढ़ गया। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान सुबह के सत्र को स्थगित कर दिया गया। अब तो आम लोग भी आपस में बात रने लगे हैं कि सांसद जी हमारी सुध ले लिजिए और बहस करवाइए। अब तो रार खत्म कर दिजीए।

मंगलवार को फिर लोकसभा और राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ। बीजेपी लंदन में भारतीय लोकतंत्र को लेकर दिए बयान पर राहुल गांधी से माफी की मांग कर रही है। वहीं, विपक्ष हिंडनबर्ग मुद्दे की जांच के लिए जेपीसी पर अड़ा हुआ है। हंगामे के चलते कार्यवाही को दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। उधर लोक सभा अध्यक्ष ने सर्वदलीय बैठक भी की।

लोकसभा अध्यक्ष ने सभी दलों के नेताओं की बैठक बुलाई

हंगामे के चलते सदन में बहस नही होने को लोक सभा अध्यक्ष ने गंभीरता से लिया। इसी के मद्देनजर उन्होंने अपने कक्ष में सभी दलों के नेताओं की बैठक बुलाई और उनसे चर्चा की। इससे पहले कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया। उन्होंने संसद सदस्यों को दी गई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के सार पर चर्चा की मांग की है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने अदाणी ग्रुप पर चर्चा के लिए नोटिस दिया है।

राहुल गांधी के लिए समय मांगा : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि राहुल लोकसभा में अपनी बात रख सकें, इसके लिए मंगलवार का समय मांगा गया है। उन्होंने कहा कि सरकार असली मुद्दों से ध्यान भटकाना चाहती है और जानबूझकर संसद नहीं चलने दे रही है।

मीर जाफर बन गए हैं राहुल : पात्रा

बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। संबित ने कहा, राहुल शहजादा नवाब बनना चाहता है और नवाब बनने के लिए शहजादे ने ईस्ट इंडिया कंपनी से मदद मांगी है। ऐसा नहीं है कि राहुल गांधी बिना माफी मांगे निकल जाएंगे। माफी तो उन्हें मांगनी ही

पड़ेगी, हम मंगवा कर रहेंगे। संबित ने आगे कहा कि राहुल को राफेल केस में भी माफी मांगनी पड़ी थी और आज उन्हें संसद के पटल पर भी माफी मांगनी पड़ेगी। मीर जाफर ने जो किया था नवाब बनने के लिए और जो राहुल गांधी ने लंदन में किया है... वो ठीक वही है। शहजादा नवाब बनना चाहता है। आज के मीर जाफर को माफी मांगनी ही पड़ेगी। शहजादे... ये नहीं चलेगा।

दिल्ली में बजट को लेकर खटपट, आप-भाजपा में तकरार

» केंद्र सरकार पर लगाया फाइल रोकने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में बजट को लेकर आप व बीजेपी आमने-सामने आ गई है। आप ने केंद्र पर बजट को रोकने का आरोप लगाया तो बीजेपी ने उस पर राजनीति करने का आरोप लगाया है।

ज्ञात हो कि दिल्ली के बजट में कई ऐसे प्रावधान थे जिसे चिन्हित करते हुए गृहमंत्रालय ने उस पर जवाब मांगा था। इसी के बाद आप सरकार ने केंद्र पर आरोप लगाया कि वह दिल्ली का बजट पास नहीं होने दे रहे। आप की सरकार ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि इनका कहना है कि हम खबर प्लांट करते हैं। इनको हमने 9 मार्च को ही बजट तैयार कर भेज दिया था। 11 दिन पहले ही भेज दिया था। आखिर क्यों दिल्ली के मुख्य सचिव ने अपने पास तीन दिन तक बजट से जुड़ी इतनी अहम चिट्ठी रखी? वित्त सचिव और मुख्य सचिव किसके लिए काम कर रहे हैं। ये दोनों सचिव केंद्र के इशारे पर काम कर रहे हैं।

केजरीवाल ने लिखी पीएम को चिट्ठी

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली का बजट आज पेश न हो पाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर गुजारिश की है कि वह दिल्ली का बजट पास कर दें। इस चिट्ठी में केजरीवाल ने लिखा है, देश के 75 साल के इतिहास में पहली बार किसी राज्य का बजट रोका गया। आप हम दिल्ली वालों से क्यों नाराज हैं? कृपया दिल्ली का बजट मत रोकिए। दिल्ली वाले आपसे हाथ जोड़कर प्रार्थना कर रहे हैं, हमारा बजट पास कर दीजिए।

बजट रोकना बड़ा शर्मनाक काम : सौरभ

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने का बजट रोके जाने को लेकर कहा कि बजट बहुत पवित्र होता है और यह लोकतंत्र का एक बहुत बड़ा पर्व है। मुझे याद नहीं आता कि देश क्या पूरे विश्व में किसी राज्य का बजट पेश होने से रोक लिया जाए। यह बेहद शर्मनाक है। लोग देखते होंगे तो क्या सोचते होंगे कि एक प्रधानमंत्री एक छोटे से राज्य का बजट रोक रहे हैं।

बीजेपी विधायकों ने सदन से किया वॉकआउट

बजट विवाद के बाद बीजेपी विधायकों ने सदन से वॉकआउट किया। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि जिस तरह बीजेपी ने शोर मचाया है, मैं उसकी घोर निंदा करता हूं। इससे पहले दिल्ली सरकार के सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केजरीवाल सरकार के बजट पर रोक लगा दी है और इसे मंगलवार को विधानसभा में पेश नहीं किया जाएगा. हालांकि, दोनों ही ओर से आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

डबल इंजन की भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल : अखिलेश

» दिल्ली व लखनऊ की सरकारें कर रहीं यूपी का उत्पीड़न

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिजली संकट पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रदेश कीयोगी सरकार पर तीखा प्रहार किया है। ट्वीट कर योगी आदित्यनाथ ने नेतृत्व वाली यूपी सरकार पर निशाना साधा है।

अखिलेश यादव ने बिजली के मामले पर डबल इंजन वाली भाजपा सरकार को घेरने की कोशिश की और ट्वीट कर कहा निजी हाथों में बिजली सौंपने के लिए दिल्ली-लखनऊ मिलकर यूपी वालों व बिजलीकर्मियों दोनों को उत्पीड़ित कर रहे हैं। भाजपाई संविदाकर्मियों का रोज़गार छीनना चाहते हैं? जो पुलिस क़ानून-व्यवस्था नहीं संभाल पाती, वो बिजली क्या संभालेंगी? सपा के समय घाटे से उबरा कारपोरेशन अब घाटे में क्यों है? निजी हाथों में बिजली सौंपने के लिए दिल्ली-लखनऊ मिलकर यूपीवालों व बिजलीकर्मियों दोनों को उत्पीड़ित कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने ट्वीट कर कहा-उप्र की जनता जिस तरह बिजली संकट से जूझ रही है, उसे देखते हुए हम ये अपील करते हैं कि सपा के नेतागण, कार्यकर्ता व शुभचिंतक तब तक इन्वर्टर या जेनरेटर जैसे बिजली के वैकल्पिक साधनों का व्यक्तिगत प्रयोग न करें जब तक बिजली की बहाली न हो जाए। सपा 'बिजली-व्रत' करेगी और जनता का साथ देगी।

इन्वर्टर या जेनरेटर का प्रयोग न करें सपा कार्यकर्ता

पूरे प्रदेश में करेंगे आंदोलन

लखनऊ। सपा ने किसानों के साथ हो रहे अन्याय, बेरोजगारी, जातीय जनगणना, बढ़ती महंगाई, कानून व्यवस्था, उत्पीड़न के मुद्दों को लेकर अपनी चुनावी रणनीति को धार देने का इरादा किया है। सपा के प्रवक्ता ने बताया प्रदेश में सपा मोदी सरकार के खिलाफ जन आंदोलन छेड़ेंगी। सपा का इरादा है कि 2024 के लोस चुनाव में यूपी के 80 सीटों पर भाजपा को हराएगी। इसी तहत समाजवादी पार्टी युवओं के साथ बूथ लेबल पर योग व मोदी सरकार के खिलाफ जमकर संघर्ष करेगी।

सबकी सहभागिता से मजबूत होगा देश का लोकतंत्र : कटारिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। असम के राज्यपाल गुलाब चन्द कटारिया ने कहा है कि देश में ऐसे लोकतंत्र का निर्माण होना चाहिए जिसमें सभी लोगों की सहभागिता हो। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रभावी एवं सार्थक लोकतंत्र बनाना जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। कटारिया ने राज्य विधानसभा में आयोजित एक सेमिनार को सम्बोधित करते हुए कहा कि सदन जितना अधिक चलेगा, हम जनता की बात उतने ही अच्छे तरीके से रख पाएंगे।

कटारिया राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा के तत्वावधान में आयोजित प्रभावी एवं सार्थक लोकतंत्र को बढ़ावा देने में विधानमंडल की भूमिका विषयक सेमिनार को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र के प्रति लोगों की अपार निष्ठा रही है। उन्होंने कहा कि सदन में तर्क होने चाहिए लेकिन मनभेद नहीं होने चाहिए अन्यथा लोकतंत्र कमजोर होगा। उन्होंने कहा कि वह अपने पद के दायरे में रहकर असम और राजस्थान की जनता की सेवा करेंगे तथा राजस्थान के मान-सम्मान को बरकरार रखेंगे। कटारिया राज्यपाल नियुक्त होने से पूर्व राजस्थान विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता थे।

2015 में विपक्षी दलों पर सवाल उठाना क्या देशद्रोह नहीं था : ललन

» भाजपा पर सदन न चलने देने का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने भारतीय जनता पार्टी पर करारा प्रहार किया है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से पूछा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2015 में अपने विदेश दौरों के दौरान देश के विपक्षी दलों पर सवाल उठाया था।

तब क्या वह देश के खिलाफ नहीं था? जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ऊपर बीजेपी की ओर से लगाये जा रहे आरोपों और लोकसभा में हो रही नारेबाजी पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। ललन सिंह ने कहा कि सदन में सत्ता पक्ष के लोग ही नारेबाजी कर रहे थे। उन्होंने बीजेपी के नेताओं से पूछा कि 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब सियोल, शंघाई और संयुक्त राज्य अमेरिका में जाकर विपक्ष के खिलाफ जो भाषण दिया था, क्या वह देशप्रेम था? और आज राहुल गांधी जी ने कुछ कह दिया तो वह देशद्रोह हो गया?

बीजेपी तय नहीं कर सकती देशद्रोह की परिभाषा

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने ललन सिंह ने कहा कि देशद्रोह की परिभाषा बीजेपी के नेता तय नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि 2015 में भाजपा ने जो बबूल का पेड़ बोया था, वह आज आम नहीं बनेगा! अगर आज राहुल गांधी को माफी मांगने की बात भाजपा कर रही है तो 2015 के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी माफी मांगनी चाहिए।

भाजपा-कांग्रेस-सीपीएम मिले, टीएमसी को नुकसान पहुंचाने की साजिश : ममता

» सागरदिघी विधानसभा की हार पर दी सफाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा, कांग्रेस व सीपीएम पर हमला करते हुए कहा कि इन तीनों के बीच अनैतिक गठबंधन है और वे मिलकर टीमएसी को नुकसान पहंचाना चाहते हैं।

मुर्शिदाबाद में सागरदिघी विधानसभा की हार को लेकर ममता बौखला गयी हैं। ममता ने हार का गुस्सा बंगाल की तीनों विपक्षी पार्टियों बीजेपी, कांग्रेस और लेफ्ट पर उतारा है। ममता बनर्जी बोलीं, बारयन बीजेपी का आदमी है। वह कांग्रेस उम्मीदवार बनकर खड़ा हुआ है और उसे लेफ्ट ने समर्थन दिया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी पर सीधा हमला बोला है। ममता ने मुर्शिदाबाद जिला तृणमूल नेतृत्व के साथ फोन पर बैठक की। ममता ने दावा किया कि सागरदिघी में कांग्रेस, सीपीएम और बीजेपी के बीच अनैतिक गठबंधन था। उन्होंने कहा, सागरदीघी में अनैतिक रूप से लड़ाई लड़ी गई। दरअसल 2 मार्च को सागरदिघी उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार बायरन विश्वास ने तृणमूल उम्मीदवार देवाशीष बंद्योपाध्याय को 23 हजार वोट से हराया था। ममता ने कहा कांग्रेस, सीपीएम और बीजेपी पर अनैतिक गठबंधन करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा, अल्पसंख्यकों को तृणमूल के खिलाफ गुमराह किया जा रहा है।

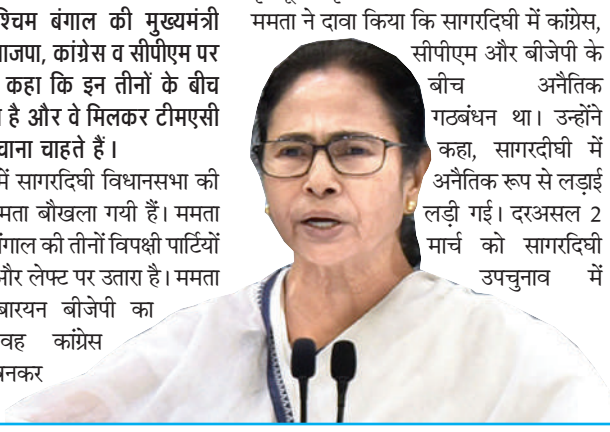

सब जानते हैं बीजेपी को बंगाल में कौन लाया : अधीर

ममता के हमले के जवाब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर ने कहा, सभी जानते हैं कि बंगाल में बीजेपी को कौन लेकर आया है। 1998 में उन्होंने पहली बार गठबंधन में बीजेपी को बंगाल में अपनी पहली लोकसभा सीट जीतने में मदद की। अब मुख्यमंत्री बीजेपी विरोधी गठबंधन को कमजोर करने का काम कर रही हैं। उनका एकमात्र उद्देश्य मोदी को खुश करना है। अब उन्होंने अपने परिवार को बचाने के लिए मोदी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। उनके जैसे अनैतिक व्यक्तित्व के किसी भी बात से हमें कोई फर्क नहीं पड़ता।

पंजाब में बैठी है निकम्मी सरकार : हरसिमरत कौर

» सरकार को बर्खास्त कर नये सिरे से हो चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। अमृतपाल सिंह मामले में अब राजनीति भी शुरू हो गई है। शिरोमणी अकाली दल की नेता हरसिमरत कौर ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार को निकम्मी सरकार बताया है। हरसिमरत बादल ने कहा कि यह पूरी तरह से नाकाम सरकार है। आप सरकार को खुद ही इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्हें खुद ही पंजाब सरकार को भंग कर देना चाहिए और पंजाब को बचाने में मदद करने के लिए नये सिरे से चुनाव कराने चाहिए।

हरसिमरत बादल ने यह भी कहा कि पंजाब में कानून-व्यवस्था की गड़बड़ी और प्रसिद्ध पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के लिए मान और केजरीवाल के खिलाफ मामला दर्ज किया जाना चाहिए। वहीं आप ने कहा कि खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के खिलाफ पुलिस कार्रवाई यह साबित करती है कि राज्य की कानून-व्यवस्था के प्रबंधन की क्षमता इस सरकार के पास मौजूद है।

क्या देवगौड़ा को मिलेगा कर्नाटक में सत्ता का गिफ्ट!

पूरे जोरशोर से राज्य में जड़ें जमाने में जुटी जेडीएस

» हो सकता है आखिरी विस चुनाव

» कुमार स्वामी घर-घर जाकर मांगेंगे वोट

आराध्य त्रिपाठी/4पीएम न्यूज़

बंगलुरू। कर्नाटक में बीजेपी फिर से बरकरार रहने की जुगत में लगी है तो कांग्रेस उसको सत्ता से उतारकर खुद कुर्सी पर काबिज होना चाहती है। इस दोनों को राजनैतिक लड़ाई के बीच में वहां की घरेलू पार्टी जनता दल सेक्यूलर अपनी साख बचाने की मशक्कत में लगी है। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा की पार्टी के लिए यह चुनाव इसलिए भी अहम है क्योंकि इसबार यह उनका आखिरी चुनाव हो सकता है।

हलांकि देवगौड़ा के पुत्र कुमार स्वामी पूरे राज्य में पार्टी की मजबूती के लिए दौरे कर रह हैं। कर्नाटक में मई माह तक प्रदेश में चुनाव कराए जा सकते हैं, हो सकता कि अगले 15 से 20 दिनों में राज्य में चुनावी बिगुल आधिकारिक तौर पर बज सकता है। 2018 में चुनाव के बाद बनी कांग्रेस समर्थित सरकार में भी उस जेडीएसक का समर्थन था और मुख्यमंत्री भी उसी का था। हालांकि, बाद में ऑपरेशन लोटस के चलते सरकार गिर गई। लेकिन इस बार का चुनाव कुमार स्वामी के लिए बेहद ही खास और महत्वपूण है।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी देवगौड़ा की पार्टी जनता दल सेक्युलर (जेडीएस) की.... जेडीएस के लिए ये चुनाव इसलिए भी काफी अहम क्योंकि संभवत: ये चुनाव जेडीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री 89 वर्षीय एचडी देवगौड़ा का अंतिम चुनाव हो सकता है। ऐसे में देवगौड़ा और जेडीएस इस चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करने की हरसंभव कोशिश करेंगे।

राह नहीं है आसान

वहीं दूसरी ओर देवगौड़ा और जेडीएस के लिए ये ही चुनाव सबसे मुश्किल भरा भी हो सकता है। क्योंकि इस बार भाजपा और कांग्रेस ने जेडीएस व देवगौड़ा के गढ़ पुराने मैसूर में भी काफी मेहनत की है और देवगौड़ा के लिए मुश्किलें पैदा करने का काम किया है। अभी 12 मार्च को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुराने मैसूर के मांड्या में अपना एक रोड शो किया था। इस रोड शो में भारी भरकम भीड़ जुटी थी। पुराना मैसूर हमेशा से ही देवगौड़ा और जेडीएस का मजबूत गढ़ रहा है, ऐसे में पीएम मोदी का इस क्षेत्र में रोड शो करना और उसमें भीड़ का जुटना देवगौड़ा और जेडीएस के लिए बड़ी मुसीबत खड़ी कर सकता है। शायद यही वजह रही कि पीएम मोदी के जाते ही एचडी देवगौड़ा ने अपने आवास पर मंड्या के नेताओं के साथ बैठक कर इस रोड शो का फीडबैक लिया।

ओल्ड मैसूर पर है नजर, 61 सीटों पर दबदबा

दरअसल, जेडीएस अध्यक्ष एचडी देवगौड़ा के 51 साल के राजनीतिक करियर में उनके फर्श से अर्श तक पहुंचने की सबसे बड़ी वजह उनका गढ़ ओल्ड मैसूर ही रहा। ऐसे में देवगौड़ा के लिए पुराना मैसूर काफी अहम है... वहीं इस बार के चुनाव में कांग्रेस और बीजेपी दोनों ने ओल्ड मैसूर में सेंध लगाने के लिए कई स्तर पर रणनीति तैयार कर ली है। जो देवगौड़ा के लिए मुसीबतें खड़ी कर सकती है। 2019 में कांग्रेस समर्थित सरकार गिरने के बाद देवगौड़ा की जेडीएस इस बार अकेले ही चुनावी मैदान में उतर रही है। ऐसे में देवगौड़ा के लिए इस बार का चुनाव और भी मुश्किलों भरा रहने वाला है। देवगौड़ा और जेडीएस का गढ़ कहे जाने वाले पुराने मैसूर में कुल 61 विधानसभा सीटें हैं। 61 में से 45 सीटों पर वोक्कलिगा समुदाय का दबदबा है। ये वोटर्स हमेशा से देवगौड़ा का समर्थन करते आए है। यही वजह है कि जेडीएस हर चुनाव में 70 से 80 फीसदी सीटें इन्हीं इलाकों में जीतती रही है।

जनता के बीच फिर बनानी होगी पैठ

वहीं जेडीएस और देवगौड़ा के लिए इस बार एक मुसीबत ये भी है कि पार्टी धीरे-धीरे जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता खोती जा रही है। इसकी प्रमुख वजह पार्टी का स्थिर न रहना है, कभी उनकी पार्टी जेडीएस कांग्रेस के साथ जाती है, तो कभी भाजपा का समर्थन ले लेती है, पिछले 19 साल में देवगौड़ा की जनता दल सेक्युलर 3 बार पाला बदल चुकी है, इस बार भी गठबंधन की अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन फिलहाल तो पार्टी अकेले ही मैदान में उतरी है। हालांकि, चुनाव के परिणाम आने के बाद क्या स्थिति बनती है, इस पर अभी से कुछ भी नहीं कहा जा सकता है... लेकिन ये साफ है कि गठबंधन तोड़ने और जोड़ने की रणनीति की वजह से देवगौड़ा की विश्वसनीयता पर भी असर पड़ा है। इसके अलावा देवगौड़ा पार्टी में पूरे परिवार को शामिल कर लिए है। पार्टी के बड़े पद पर उनके परिवार के लोगों का ही कब्जा है। देवगौड़ा के बेटे कुमारस्वामी विधायक दल के नेता हैं, तो वहीं दूसरे बेटे एचडी रेवन्ना कर्नाटक सरकार में मंत्री रह चुके हैं। रेवन्ना के बेटे प्रज्वल लोकसभा के सांसद हैं, कुमारस्वामी के बेटे निखिल जेडीएस युवा मोर्चा के अध्यक्ष है।

वोक्कलिगा समुदाय पर है कांग्रेस की निगाह

वहीं कांग्रेस भी पुराने मैसूर में बढ़त हासलि करने के लिए पूरी ताकत झोंक रही है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार वोक्कलिगा समुदाय से ही आते हैं। इसलिए इन इलाकों की जिम्मेदारी पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष को ही दी है। शिवकुमार अपने भाषण में वोक्कालिगा समुदाय से मुख्यमंत्री बनाए जाने के लिए कांग्रेस को समर्थन देने की अपील भी करते रहते हैं। इसके अलावा कांग्रेस और शिवकुमार वोटों के ध्रुवीकरण के लिए भाजपा और जेडीएस के बीच मिलीभगत का भी आरोप भी लगाते हैं। कांग्रेस का कहना है कि देवगौड़ा और बीजेपी ने आंतरिक समझौता किया है।

भाजपा ने लगाई पूरी ताकत

लेकिन इस बार भाजपा और कांग्रेस दोनों ने ही यहां जेडीएस को घेरने की रणनीति बनाई है। भाजपा ने मैसूर में 200 से अधिक सीनियर नेताओं की तैनाती कर दी है। पार्टी पुराने मैसूर के शहरी इलाकों में विशेष फोकस कर रही है। पुराने मैसूर के मांड्या और हसन में मोदी और शाह लगातार रैलियां भी कर रहे हैं। इतना ही नहीं यहां के लोगों को लुभाने के लिए हाल ही में कर्नाटक सरकार ने पुराने मैसूर के लिए कई परियोजनाओं की शुरुआत भी की है। भाजपा इसलिए भी यहां इतनी मेहनत कर रही है क्योंकि पार्टी अब तक पुराने मैसूर में 10 से ज्यादा सीटें नहीं जीत पाई है।

पुराने नेताओं पर जेडीएस को करना होगा भरोसा

देवगौड़ा के लिए एक मुसीबत उनकी पार्टी के कई पुराने नेताओं का साथ छोड़ना भी है, पिछले 15 साल में देवगौड़ा की पार्टी से कई पुराने और दिग्गज नेता नाता तोड़ चुके हैं,इनमें प्रमोद माधवाराज, बीए जीविजया, सी चेंगियप्पा, सीटी प्रकाश और एच विश्वनाथ का नाम प्रमुख हैं। ये सभी नेता पुराने मैसूर से आते हैं और अब बीजेपी या कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। जमीनी नेताओं के सहारे ही देवगौड़ा पुराने मैसूर में लोगों से सीधे संपर्क में रहते थे। मांड्या और हसन में लोकल स्तर पर भी कई बड़े नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। हाल ही जेडीएस ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस उनकी पार्टी तोड़ने का काम कर रही है। वैसे अपने गठन के 23 साल में जनता दल सेक्युलर ने अब तक दो बार राज्य में अपनी सरकार बनाई है। सरकार बनाने के लिए देवगौड़ा की पार्टी ने भाजपा और कांग्रेस दोनों के ही साथ गठबंधन किया है। पार्टी को अब तक की अपनी सबसे बड़ी सफलता 2004 के चुनाव में मिली थी। इस दौरान पार्टी 220 सीटों पर चुनाव लड़ी थी और 58 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इसके बाद कांग्रेस को समर्थन देकर जेडीएस सरकार का भी हिस्सा रही थी। हालांकि, यह गठबंधन 3 साल तक ही टिक पाया और देवगौड़ा के बेटे एचडी कुमारस्वामी ने बीजेपी से समझौता कर लिया। इस समझौते के तहत कुमारस्वामी मुख्यमंत्री बनाए गए यह समझौता भी ज्यादा दिनों तक नहीं चल पाया। इसके बाद 2018 के पिछले चुनाव में जेडीएस ने 37 सीटों पर जीत हासिल की थी... और एक बार फिर कांग्रेस के समर्थन के साथ सरकार में हिस्सेदार बनी... इस बार सरकार की कमान भी देवगौड़ा के बेटे कुमारस्वामी ने ही संभाली... हालांकि, 2019 में ऑपरेशन लोटस की चपेट में कुमारस्वामी की सरकार गिर गई थी। उस वक्त जेडीएस और कांग्रेस के कई विधायक बीजेपी में शामिल हो गए थे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

घर केआंगन पर फिर चहचहाई गौरया

एक दशक पहले गौरैया अचानक दुनिया में कम दिखने लगी थी। उसके बाद पर्यावरणविदों ने इस पर चिंता जताई थी। उसके बाद इसके संरक्षण के लिए विश्व भर में कई कदम उठाए गए आज उसका नतीजा है कि एकबार फिर ये छोटी सी नन्ही चिड़िया घरों केआंगन व मुंडेरों पर दिखाई देने लगी है। हालांकि उसको संरक्षित करने के उपाय को हमेशा जारी रखना होगा। पर्यावरण संतुलन के लिए गौरैया का रहना जरूरी है। सरकारी स्तर से लेकर समाजिक स्तर पर इनके संरक्षण व जनसंख्या वृद्धि के लिए लगातार प्रयास करते रहना होगा। तेजी से लुप्त होने की कागार पर पहुँचने वाली गौरैया पक्षी के संरक्षण के उद्देश्य से हर साल 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाया जाता है, इसे मनाने की शुरूआत वर्ष 2010 में नेचर फॉरएवर सोसायटी नामक संस्था ने की थी। कुछ साल पहले तक शहरों और गांवों में गौरैया पक्षी की चहचहाहट अकसर सुनाई दे जाया करती थी और ये देखने को भी मिल जाया करती थी, परंतु आज ये ढूंढने से भी नहीं मिलती। आंकड़ों की मानें तो इनकी आबादी 60-80 फ़ीसदी की कमी आई है।

ऐसे में यह दिवस मना कर हम उस चहचहाहट को वापस लाने की कोशिशें कर रहे हैं। कृत्रिम घोंसलों एवं छत पर दाना-पानी रखने से गायब होती गौरैया चिड़िया वापस छत पर आने लगी हैं। हर साल 20 मार्च को नेचर फॉरएवर सोसाइटी (भारत) और इको-सिस एक्शन फ़ाउंडेशन (फ्रांस) के सहयोग से विश्व गौरैया दिवस मनाया जाता है। इसकी शुरूआत नासिक (भारत) के रहने वाले मोहम्मद दिलावर ने गौरैया पक्षी की लुप्त होती प्रजाति की सहायता करने के लिए 'नेचर फॉरएवर सोसायटी' की स्थापना कर की थी। नेचर फॉरएवर सोसायटी की एक साधारण चर्चा के दौरान प्रति वर्ष 20 मार्च को 'विश्व गौरैया दिवस' मनाने की योजना बनाई गई, जिसे पहली बार वर्ष 2010 में मनाया गया था। मोहम्मद दिलावर के गौरया संरक्षण के प्रति किए जाने वाले कामों को देखते हुए 'टाइम मैगजीन' ने वर्ष 2008 में इन्हें 'हीरोज ऑफ द इन्वायरमेंट' के तौर पर मान्यता दी। प्रत्येक वर्ष 20 मार्च को मनाए जाने वाले गौरैया दिवस का मुख्य उद्देश्य गौरैया पक्षी का संरक्षण करना और इन्हें लुप्त होने से बचाना है, ताकि भविष्य में यह एक इतिहास का पक्षी बनकर ना रह जाए। गौरैया पृथ्वी पर सर्वव्यापी पक्षियों में से एक है, इसका लगातार कम होते जाना इस बात का सूचक है कि हमारे आसपास का पर्यावरण किस हद तक शरण का शिकार हो रहा है। यह हम सभी के लिए प्रकृति की ओर से एक चेतावनी है जो हमें बढ़ते रेडिएशन और प्रदूषण से होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों और इसके हानिकारक प्रभावों से सचेत करती है।

घरेलू गौरैया की लुप्त होती प्रजाति एवं कम होती आबादी चिंता का विषय बना हुआ है, ऐसे में यह दिवस गौरैया एवं अन्य पक्षियों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए की गई एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहल है। हमे इन्हें बचाने के लिए छत पर दाना (काकून, बाजरा-मक्का, गेहूँ, चावल आदि) और पानी, उनके लिए कृत्रिम घोसले बना सकते हैं। और साथ ही ,दूसरों को गौरैया संरक्षण के प्रति जागरूक करे। हो सके तो पेड़-पौधे लगाएं। पार्क विकसित करने का प्रयास करें ताकि इनके साथ ही अन्य पक्षी भी अपने प्राकृतिक आशियाने बना सके।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

गुणवत्ता के संसदीय व्यवहार की उम्मीद

सुरेश सेठ

बहुत जल्द ही हम 142 करोड़ की जनसंख्या का आंकड़ा छू लेने के बाद दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन जाएंगे। भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। लेकिन हम इस युवा शक्ति का बेहतर इस्तेमाल नहीं कर पाये। उम्मीद थी कि हमारे जनप्रतिनिधि आम लोगों की आवाज को उठाएंगे और देश के विकास को नई ऊंचाइयां देंगे। देश शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की राह पर एक ऐसे प्रजातांत्रिक समाजवादी ढांचे की स्थापना करेगा, जिसमें अमीर और गरीब में कोई भेद नहीं होगा। हर नौजवान को उसकी योग्यता के अनुसार रोजी-रोजगार मिल जाएगा। देश अपनी आयात निर्भरता से छुटकारा पा लेगा।

वैश्विक सर्वेक्षण बताते हैं कि इस देश का आम नागरिक अपने जनप्रतिनिधियों की सार्थकता में विश्वास करता है, उनके द्वारा हर नये चुनावी एजेंडे में होने वाली घोषणाओं की सफलता की उम्मीद रखता है। उसकी अपेक्षा जनप्रतिनिधियों से होती है कि वे ज्वलंत मुद्दों को उठाएंगे, उस पर तार्किक बहस करेंगे। व्यर्थ एक-दूसरे की छीछालेदर में नहीं उलझेंगे। स्पष्ट है कि लोकतंत्र का मस्तिष्क है उसकी संसद और उसकी विधानसभाएं। यहां हर आम नागरिक अपना सौभाग्य तलाशता है, लेकिन बार-बार उसे निराशा क्यों मिलती है? वहां जरूरी मुद्दों को बहस के बजाय जल्दबाजी में विधेयक पारित कर दिए जाते हैं। देश के सामने बहुत से जटिल मुद्दे दरपेश हैं। सवाल यह है कि महामारी से छुटकारा पाने के बाद भी देश विकास पथ पर द्रुत गति से क्यों नहीं बढ़ रहा? बेरोजगारी की समस्या क्यों दिन-रात जटिल होती जा रही है? महंगाई नियंत्रण का हर दावा क्यों धराशायी नजर आता है? भ्रष्टाचार की शून्य सहनशीलता के नारों के बावजूद भ्रष्टाचारी क्यों सामाजिक और प्रशासनिक जीवन में नजर आते हैं। लेकिन जनप्रतिनिधि संस्थाओं में हंगामा और कोलाहल देखकर यही लगता है कि वही ढाक के तीन पात हैं। संसद में बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन 2022-23 के लिए अनुपूरित मांगों के बीच दूसरे बैच का दस्तावेज पेश होना था और वर्ष 2023-24 के लिए केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का बजट भी पेश होना था।

लेकिन सत्र पर हावी हो गया कोलाहल, हंगामा और सत्तापक्ष और विपक्षियों के बीच वाद-प्रतिवाद। कहना कठिन है कि देश की गरिमा राहुल गांधी के विदेश में बयानों ने गिरा दी या देश की गरिमा संसद में अप्रिय व्यवहार ने। बजट सत्र के पहले चरण में बजट तो पेश हो गया, मगर शेष सामान्य नहीं रहा। लेकिन सवाल यह

था कि हिंडन रिपोर्ट और शेयर मार्किटों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव और विदेशी निवेश के पलायन, विकास या उसकी क्षतिपूर्ति पर बहस क्यों नहीं होती? बहस तो यह होनी चाहिए थी कि इस बजट ने जनता की अपेक्षाओं को कितना पूरा किया? उनके लिए नौकरी के कितने अवसर देने का वादा किया। उनकी शिक्षा को कितना व्यावहारिक बनाने का प्रयास किया? सवाल यह है कि डिजिटल और इंटरनेट क्षमता से परिपूरित होते भारत में ठगों को खुला खेलने से कैसे रोका जाए? अपने पर गंभीर चर्चा मांग रही है। नि:संदेह, सरकार की पहली प्राथमिकता तो इस सत्र में वित्त विधेयक पारित करवाने की है। रेलवे, पंचायती राज, पर्यटन, सेहत और संस्कृति विभागों से जुड़े अनुदानों की चर्चा करने से है। इधर जहां एक ओर रूस से जारी यूक्रेन-युद्ध की तनातनी, रूस और अमेरिका के बीच संतुलन बिठाने की कूटनीति के खतरे वहीं महंगाई, बेरोजगारी और केन्द्रीय एजेंसियों के कथित दुरुपयोग के मुद्दे ऐसे हैं जिनमें सच-झूठ की पहचान हो। दरअसल, यह बजट सत्र का दूसरा भाग 13 मार्च से शुरू होकर 6 अप्रैल तक चल रहा है। समय बहुत है लेकिन इसका एक क्षण भी व्यर्थ नहीं होना चाहिए। हर बार लोकतंत्र की गरिमा का ध्वज उठाते हुए संसदीय परम्पराओं के प्रति गर्वित होते हुए भी क्यों इस तरह के ओछे आक्षेप जनप्रतिनिधि एक-दूसरे पर उछालते नजर आते हैं। विपक्षी नेताओं के माइक बंद करने के आरोप हैं। दूसरी ओर देश का सत्तापक्ष यह कहता है कि भारत की गरिमा को विदेशों में बने रहना सर्वेपरि है और जो नेता इसके विरुद्ध अपनी छवि बनाने के लिए विरोधी विचार व्यक्त करता है, उसे हम राष्ट्र विरोधी मानते हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ने तो बार-बार कह दिया कि लोकसभा के सदस्य अपने विचार व्यक्त करने के लिए स्वतंत्र हैं लेकिन याद रखा जाए कि ये विचार जनहित की समस्याओं की गहरी पैठ करने वाले हों। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं है कि कोई व्यक्ति कितना ऊंचा चिल्ला सकता है। बार-बार संसद के सत्रों का कोलाहल और हंगामे की वजह से स्थगित करवा सकता है। यह न देश में और न ही विदेश में भारतीय लोकतंत्र की गरिमा को बढ़ाता है। आजकल सदन की कार्यवाही की वीडियो रिकॉर्डिंग जनप्रतिनिधियों के बेहतर व्यवहार की चेतावनी हो। कहीं जनता अपने आप को राह में छूट गया महसूस करती है।

मजबूत वैश्विक छवि के लिए एकजुटता की शर्त

गुरबचन जगत

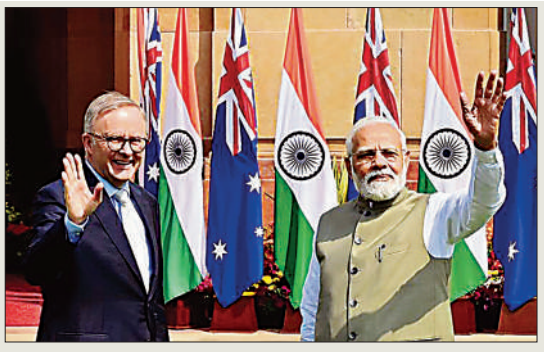

भारत में जी-20 सम्मेलन के सिलसिले में पिछले कुछ महीनों से राजनयिक मोर्चे पर नाना प्रकार की गतिविधियां हुई हैं। दुनियाभर से विभूतियां पहुंची हैं। आयोजन को सफल बनाने में विदेश मंत्रालय विदेशों में काफी सक्रिय रहा है। आने वाले महीनों में भी, राजनयिक गतिविधियां तेज गति से जारी रहेंगी। किन्हीं मामलों में पश्चिमी देश भारत को लुभाते नजर आते हैं तो कुछ में दरकिनार करते हुए। अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति का चक्र निरंतर घूमता रहता है- न कोई स्थाई मित्र, न स्थाई शत्रु, केवल स्वहित चिरस्थाई।

अपनी 140 करोड़ से ज्यादा की आबादी के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था, जो पिछले दो दशकों से ज्यादा से दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती आर्थिकियों में एक रही हो और जिसकी स्थिति इस उप-महाद्वीप में सामरिक रूप से भी काफी महत्वपूर्ण हो, उसको अपने पाले में लाने के यत्न समझे जा सकते हैं। हालांकि बताना चाहूंगा कि हमारे हित सुरक्षित रहें- घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय - इस हेतु एक सफल विदेश नीति बनाने के लिए कुछेक पूर्व अपेक्षित शर्तों का होना जरूरी है। सर्वप्रथम, एक सुरक्षित एवं स्थिर भारत होना अति आवश्यक है। अगर हम अपनी सीमाओं के अंदर मजबूत और सतत होंगे तभी तो विदेशों में अपनी छवि चमका पाएंगे। हमें पूरे देश को संपूर्णता से देखना चाहिए। हर तरह की विचारधारा और लोगों को साथ लेकर चलना होगा। नीतियां तय करने और उनके क्रमिक विकास में, आपसी मनमुटावों को अलहदा रखना होगा। यह प्रथा विगत में रही, जब सत्ता पक्ष विपक्षियों को भरोसे में लेकर सर्वसम्मति बनाता रहा। जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह की सत्ता के दिनों में यह एक परिपाटी थी। मुझे यकीन है कि आगे भी यह रिवायत कायम रहेगी बल्कि इसे और मजबूत किया जाए। मौर्य और गुप्त साम्राज्य का भारतवर्ष बहुत विशाल था। वह युग 'स्वर्ण काल' के रूप में जाना जाता है। चंद्रगुप्त मौर्य ने एक बहुत सफल प्रशासनिक व्यवस्था स्थापित की थी। खम्बों पर खुदे सम्राट अशोक के लोक-कल्याणक प्रवचन तो जगप्रसिद्ध हैं। कलिंग युद्ध के बाद वाला काल शांति और धार्मिक सहिष्णुता के लिए विशेष रूप से जाना जाता है।

इस दौरान घरेलू और विदेशी व्यापार एवं कृषि का विकास हुआ, ज्ञान-विज्ञान की उन्नति हुई। मैंने भारत के इन युगों का जिक्र इसलिए किया क्योंकि यह अंदरूनी रूप से शक्तिशाली भारत था, जिसके सामर्थ्य का डंका विदेशों में बजा। व्यापार ने बहुत ऊंचाई को छुआ और भारत की सभ्यता का प्रभाव देश-देशांतर तक फैला। सिल्क रूट और ग्रैंड-ट्रंक रोड से होते हुए, मसालों के साथ-साथ, भारत से बौद्ध और जैन धर्म बतौर एक विचार और धर्म विदेशों तक जा फैले। भारतीय मसालों की भांति हमारी सभ्यता और विचारधारा की खुशबू विदेशों में फैली। दक्षिण भारत की रियासतों ने नौवहनीय दक्षता हासिल की, जिसके उपयोग से अन्य देशों से व्यापारिक रिश्ते बने और उन्हें प्रभावित किया। अब समय है कि हम विश्व को अपना एकजुट स्वरूप पेश करें। वह एकीकृत भारत जो मजबूत, स्थिर संस्थानों और बढ़िया प्रशासनिक ढांचे वाला हो। पर यह हो नहीं रहा, नतीजतन जो हमारी छवि है वह आपसी फूट, कटुता और धार्मिक एवं जातीय लीक पर ध्रुवीकरण वाली है।

वह काम जो वास्तव में उन्हें करना चाहिए, उसकी बजाय हमारे संस्थान निढाल पड़े हैं और अपनी विधिक जिम्मेवारी निभाने के प्रति ढुलमुल। संसद और राज्यों की विधान सभाएं अब सार्थक बहस का मंच और अधिक न होकर अराजकता का मंजर पेश करती हैं। उच्च न्यायपालिका का कार्यपालिका से टकराव लगता है। उधर 'हम भारत के लोग' यानि जनता अनेकानेक दबावों-खिंचावों की वजह से हैरान-परेशान है। अगर यह वही तस्वीर है जो हम पेश कर रहे हैं, तब कैसे एक भरोसेमंद विदेश नीति बन सकेगी? बात वापस विदेश नीति की करें, शुरुआत अपने एकदम पास-पड़ोस यानि पाकिस्तान, चीन, नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, म्यांमार और भूटान से करें। पहले दो को छोड़कर, बाकी के पांच काफी छोटे देश हैं, जिनके साथ हम अपने संबंध व्यापार और अन्य नीतियों के जरिये मजबूत कर सकते थे। इन पांचों के साथ अब चीन ने पींगें बढ़ा ली हैं। यहां तक कि बांग्लादेश और भूटान को भी चीन बेतरह डोरे डाल रहा है। चीन ने श्रीलंका, म्यांमार और पाकिस्तान में बंदरगाह सुविधाएं पाकर हमारे एकदम पड़ोस में अपनी सैन्य पैठ बना ली है। 'वन बेल्ट, वन रोड' नीति तो बनाई ही इसलिए गई है ताकि चीन के प्रभाव का विस्तार घरेलू सीमाओं से परे विदेशों में भी हो सके। गौरतलब है कि यूरोप के छोटे-छोटे मुल्क, जो लंबे समय से यूक्रेन के पड़ोसी मित्र रहे हैं, आज वही उसके शरणार्थियों को अपने यहां प्रथम मानवीय सहायता मुहैया करवा रहे हैं।

अब अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और मुख्य यूरोपियन शक्तियां, भारत को अपने पाले में लाने के लिए लुभाने में लगी हैं। लेकिन जाया किसके साथ जाये, लगता है हमें ज्यादा मालूम नहीं है। परंतु, आखिर कबतक हम 'एकला चलो' बने रहेंगे? धीरे-धीरे चूड़ियां कसी जा रही हैं और किसी खांचे में फिट होने का दबाव बढ़ता जा रहा है। क्वाड नामक गुट में हमारे लिए अबतक कुछ ठोस नहीं निकल पाया है, जबकि इसका 'ऑकस' (आस्ट्रेलिया-यूएस-यूके) घटक ऑस्ट्रेलिया में परमाणु पनडुब्बियां बनाने के लिए तकनीक साझा करने जा रहा है। अमेरिका और यूके ऑस्ट्रेलिया को तीन परमाणु पनडुब्बियां मुहैय्या करवाएंगे और आगे यह भी पता चला है कि टॉमहॉक मिसाइलें भी। क्वाड गुटबंदी के तहत जितना कुछ ऑस्ट्रेलिया को दिया जा रहा है, उसके बरक्स भारत को मूर्त रूप में बहुत कम मिल रहा है। दुनिया में यदि हम खुद को देखना चाहते हैं तो हमें सुरक्षित, मित्रों से सतत दोस्ती रखने वाला, सर्वश्रेष्ठता से युक्त होना होगा।

चैत्र नवरात्री में घटस्थापना का शुभ मुहूर्त

घटस्थापना का उत्तम मुहूर्त 22 मार्च 2023 दिन बुधवार को प्रातः 06:25 से लेकर 09:25 तक रहने वाला है। विश्व प्रसिद्ध चौघड़िया मुहूर्त अनुसार लाभ और अमृत के दो सुप्रसिद्ध चौघड़िया मुहूर्त उपलब्ध होंगें, जिनमें सरकारी, गैर सरकारी नौकरी पेशा लोगों एवं बीमारी से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए अति शुभ और उन्नति कारक समझे जाएंगे। इसके बाद दिवाकाल 10:55 से 12:25 तक शुभ का बहुत ही सुंदर चौघड़िया मुहूर्त उपस्थित होंगा।

इस बार नौका पर सवार होकर आएंगी मां दुर्गा

माता दुर्गा सिंह यानि शेर की सवारी करती हैं, लेकिन नवरात्रि के पवित्र दिनों में धरती पर आते समय उनकी सवारी बदल जाती है। माता दुर्गा की सवारी नवरात्रि के शुरू होने वाले दिन पर निर्भर करती है। नवरात्रि जिस दिन से शुरू होते हैं, उस दिन के आधार पर उनकी सवारी तय होती है। वहीं, इस बार चैत्र नवरात्री इस साल 22 मार्च 2023 से लेकर 30 मार्च 2023 तक रहने वाली है। इस बार नवरात्रि में देवी मां अपने प्रिय भक्तों के यहां नौका पर सवार होकर आएंगी और नवरात्रि की समाप्ति पर गज हाथी पर सवार होकर देवलोक को वापस लौट जाएंगी। क्योंकि बुधवार से नवरात्रि शुरू होती है तो माता का आगमन नाव पर होता है। मां दुर्गा का नौका यानी नाव पर आगमन शुभ माना जाता है।

घट स्थापना की सामग्री

जौ बोने के लिए मिट्टी का पात्र जौ बोने के लिए शुद्ध साफ की हुई मिट्टी जिसमे कंकर आदि ना हो, पात्र में बोने के लिए जौ (गेहूं भी ले सकते है), घटस्थापना के लिए मिट्टी का कलश या फिर तांबे का कलश भी लें सकते है। कलश में भरने के लिए शुद्ध जल, गंगाजल, रोली, मौली, पूजा में काम आने वाली साबुत सुपारी, कलश में रखने के लिए सिक्का (किसी भी प्रकार का कुछ लोग चांदी या सोने का सिक्का भी रखते है), आम के पत्ते, कलश ढ़कने के लिए ढक्कन (मिट्टी का या तांबे का), ढक्कन में रखने के लिए साबुत चावल, नारियल, लाल कपड़ा, फूल माला,फल तथा मिठाई, दीपक, धूप , अगरबत्ती ले लें।

घट स्थापना की विधि

सबसे पहले जौ बोने के लिए एक ऐसा पात्र लें जिसमे कलश रखने के बाद भी आस पास जगह रहे. यह पात्र मिट्टी की थाली जैसा कुछ हो तो श्रेष्ठ होता है। इस पात्र में जौ उगाने के लिए मिट्टी की एक परत बिछा दें। मिट्टी शुद्ध होनी चाहिए। पात्र के बीच में कलश रखने की जगह छोड़कर बीज डाल दें। फिर एक परत मिटटी की बिछा दें। एक बार फिर जौ डालें। फिर से मिट्टी की परत बिछाएं। अब इस पर जल का छिड़काव करें। कलश तैयार करें। कलश पर स्वस्तिक बनायें। कलश के गले में मौली बांधें। अब कलश को थोड़े गंगा जल और शुद्ध जल से पूरा भर दें। कलश में साबुत सुपारी, फूल डालें। कलश में सिक्का डालें। अब कलश में पत्ते डालें। कुछ पत्ते थोड़े बाहर दिखाई दें इस प्रकार लगाएं। चारों तरफ पत्ते लगाकर ढ़क्कन लगा दें। इस ढ़क्कन में अक्षत यानि साबुत चावल भर दें नारियल तैयार करें। नारियल को लाल कपड़े में लपेट कर मौली बांध दें। इस नारियल को कलश पर रखें। नारियल का मुंह आपकी तरफ होना चाहिए। यदि नारियल का मुंह ऊपर की तरफ हो तो उसे रोग बढ़ाने वाला माना जाता है। नीचे की तरफ हो तो शत्रु बढ़ाने वाला मानते है, पूर्व की और हो तो धन को नष्ट करने वाला मानते है। नारियल का मुंह वह होता है जहां से वह पेड़ से जुड़ा होता है। अब यह कलश जौ उगाने के लिए तैयार किये गये पात्र के बीच में रख दें।

अष्टमी-नवमी पर करें कन्या पूजन

देवी पुराण के अनुसार, अष्टमी या नवमी वाले दिन कन्या पूजन करने से देवी मां बेहद प्रसन्न होती है। नवरात्रि के व्रत और पूजा बिना कन्या पूजन किए सफल नहीं मानी जाती है। कहा जाता है कि चैत्र और शारदीय नवरात्रि की अष्टमी या नवमी तिथि पर 9 कन्याओं के पूजन का विशेष महत्व है। इसे कंजक पूजन के नाम से भी जानते हैं। मान्यता ये भी है कि कंजक पूजन नहीं करने से नवरात्रि में किए गए व्रत का फल भी अधूरा ही मिलता है। बता दें कि कुछ लोग अष्टमी और नवमी वाले दिन कन्या पूजन करते हैं। इस लेख के जरिए हम आपको बताएंगे कि कन्या पूजन करने का मुहूर्त कब है और इसकी सही विधि क्या है। बता दें कि देवी पुराण के अनुसार, अष्टमी या नवमी वाले दिन कन्या पूजन करने से देवी मां बेहद प्रसन्न होती है। इस दिन कन्या और बटुक की पूजा की जाती है. शास्त्रों के अनुसार आयु के अनुसार कन्या पूजन किया जाए तो इससे आपको मनोवांछित फल की प्राप्ति होती हैं।

हंसना मना है

दोस्त की शादी में पप्पू एक खूबसूरत लड़की को आई लव यू बोला... फिर लड़की शायर थी कुछ इस तरह शायरी कर पप्पू के प्रस्ताव को ठुकराया... तेरा चेहरा भी कोई खास नहीं... तेरे शरीर में हड्डी दिखती है, पर मांस नहीं... तुझसे प्यार तो कर लें...लेकिन... तेरे शादी तक जीवित रहने की कोई आस नहीं...

पप्पू: यार कल शाम को भाभी तुझे इतना क्यों मार रही थी? गप्प: क्या बताऊं सरकारी नौकरी करते-करते मेरा भी दिमाग खराब हो गया है। पप्पू: लेकिन हुआ क्या? गप्पू: कल गर्लफ्रेंड को लेटर लिखा और प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु पत्नी को भी भेज दी...!!

लड़का: यार तुम लड़कियां इतनी सुंदर कैसे होती हो? लड़की: दरअसल, भगवान ने हमें अपने हाथों से बनाया था...! लड़का: अरे, जैसे हमें तो नेट से डाउनलोड किया है...!!

कहानी — कबूतर का घोंसला

एक बार गौतम बुद्ध शाम के समय कुटिया के बाहर शिष्यों के साथ बैठे थे। तभी वहां एक कबूतर का जोड़ा उड़ता हुआ आ गया। उन्हें देख कर महात्मा बुद्ध को एक कहानी याद आई और उन्होंने शिष्यों को कहानी सुनाना शुरू किया। एक पेड़ पर एक कबूतर और कबूतरी रहते थे। कुछ समय बाद कबूतरी ने उसी पेड़ की टहनी पर तीन अंडे दिए। एक दिन कबूतर और कबूतरी दोपहर के समय खाना ढूंढते हुए कुछ दूर निकल गये। तभी कहीं से एक लोमड़ी आ गयी। वह भी भोजन की तलाश में पेड़ पर चढ़ी। जहां उसे कबूतर के अंडे मिल गये और वो अंडों को खा गयी। जब कबूतर का जोड़ा वापस आया तो अंडे न पा कर बहुत परेशान हो गया। दोनों को बहुत बुरा लग रहा था। उनका मन टूट सा गया। तभी कबूतर ने निश्चय किया कि अब वह घोंसला बनाएंगा। ताकि फिर कभी उसके अंडे कोई न खा जाए। कबूतर ने अपने निर्णय अनुसार तिनके इकट्ठे करके घोंसला बनाना शुरू किया। पर उसे एहसास हुआ कि उसे तो घोंसला बनाना आता ही नहीं है। तब उसने मदद के लिए जंगल के दूसरे पक्षियों को बुलाया। सभी पक्षी उसकी मदद के लिए आ गये आर उन्होंने कबूतर के लिए घोंसला बनाना शुरू किया। पक्षियों ने अभी कबूतर को सिखाना शुरू ही किया था कि कबूतर ने बोला कि अब वो घोंसला बना लेगा। उसने सब सीख लिया है। सभी पक्षी यह सुन कर वापस चले गए। अब कबूतर ने घोंसला बनाना शुरू किया। उसने एक तिनका इधर रखा एक तिनका उधर। उसे समझ आया कि वह अभी भी कुछ नहीं सीखा है। उसने फिर से पक्षियों को बुलाया। पक्षियों ने आ कर फिर घोंसला बनाना शुरू किया। अभी आधा घोंसला बना ही था कि कबूतर जोर से चिल्लाया, तुम सब छोड़ दो अब मैं समझ गया हूं यह कैसे बनेगा। इस बार पक्षियों को बहुत गुस्सा आया। सारे पक्षी तिनके वहीं छोड़ कर चले गये। कबूतर ने फिर कोशिश की पर उससे घोंसला नहीं बना। कबूतर ने तीसरी बार पक्षियों को बुलाया, लेकिन इस बार एक भी पक्षी मदद के लिए नहीं आया और आज तक कबूतर को घोंसला बनाना नहीं आया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहने वाला है। खर्चों में बढ़ोतरी होगी और आपको मानसिक तनाव भी महसूस होगा। ये सभी बातें आपकी दिनचर्या को प्रभावित करेंगी।

वृषभ आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आसपास धार्मिक कार्य होने से सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। आपको उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होगा।

मिथुन माता-पिता और गुरुजनों से संबंध मधुर रहेंगे। आय में बढ़ोतरी और जमकर पैसे खर्च करने के बावजूद आप आय और व्यय में संतुलन बनाए रखने में कामयाब रहेंगे।

कर्क आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य में मजबूती आएगी और जो कोई समस्या चली आ रही थी, आज उससे छुटकारा मिल सकता है।

सिंह आज आपको सबके साथ अपने रिश्तें बेहतर बनाकर रखने चाहिए।रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं को जॉब का कोई अच्छा ऑफर आयेगा।

कन्या नए कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे। व्यापार-धंधे में गिरावट आ सकती है। आपको स्वास्थ्य सम्बन्धी कुछ मामूली परेशानी हो सकती है। आज सोच-समझकर बोलें।

तुला आपके लिए आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहने वाला है। परिवार का तनाव आपके सिर चढ़कर बोलेगा और आपके कामों में रुकावट डालेगा।

वृश्चिक आज मां दुर्गा के आशीर्वाद से आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। आपको दोस्तों से कोई अच्छी खबर मिलेगी। ऑफिस में आपको अधिकारियों का प्राप्त होगा।

धनु आज आपको सतर्क रहने की आवश्यकता है। कुछ घरेलू उलझे हुए मामले सुलझ सकते हैं। आप परिवार और दोस्तों के समर्थन का आनंद लेंगे।

मकर आपके लिए आज का दिन सामान्य रहेगा लेकिन आपको अपने मिजाज पर लगाम लगानी पड़ेगी क्योंकि आप किसी बात को लेकर बुरा और अड़ियल रवैया अपना सकते हैं।

कुम्भ आज आपके हर काम का हल चुटकियों में निकल आयेगा। ऑफिस में भी काम की तारीफ होगी। किसी प्रोजेक्ट के लिये आपको अपनी राय देने का मौका मिलेगा।

मीन आज का दिन आपके जीवन का यादगार दिन रहने वाला है। आपके रुके हुए कार्य पुरे होंगे। परिवार के साथ बिताया गया समय अपेक्षा से अधिक आनंदमय होगा।

अंजलि अरोड़ा जल्द बिखेरेंगी खतरों के खिलाड़ी में जलवा

प्रि अंजलि अरोड़ा अपने लटको-झटकों से लोगों को दीवाना बना देती हैं। काचा बादाम से पहचान बनाने वाली अंजलि अरोड़ा की फैन फॉलोइंग काफी जबरदस्त है।अपने फैंस की बदौलत ही अंजलि अरोड़ा को लॉक अप सीजन वन में काम मिला। यहां तक कि क्वीन कंगना ने उनकी डांसिंग स्किल्स को लेकर उन पर तंज कस दिया था कि लोग तुम्हें क्यों फॉलो करते हैं? लेकिन अंजलि अरोड़ा ने फिर भी लोगों को एंटरटेन करना बंद नहीं किया और जल्द ही खतरों से खेलती नजर आएंगी। खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 का ऐलान कर दिया गया है। ये सीजन और भी शानदार होने वाला है। इसमें आप काचा बादाम फेम अंजलि अरोड़ा को अलग-अलग तरह के खतरों जैसे जानवर, पक्षी और करंट का सामना करते देख पाएंगे। अंजलि अरोड़ा ने लॉक अप सीजन वन में भी काफी बहादुरी से सारे टास्क पूरे किए थे ऐसे में खतरों के खिलाड़ी में खतरों का लेवल बढ़ने पर भी क्या अंजलि का हौंसला बुलंद रह पाता है ये तो बाद में ही पता लग पाएगा।

छिपकली का खौफ

अंजलि अरोड़ा से जब शो में जाने को लेकर बात की गई तो कहती हैं कि इस शो में जाने के लिए वो बेहद एक्साइटेड हैं। हालांकि उन्हें छिपकली से बेहद डर लगता है और वो अपने इस डर से जीतने की पूरी कोशिश कर रही हैं। छिपकली के अलावा अगर उनके सामने कॉकरोच और सांप हो तो अंजलि अरोड़ा को फर्क भी नहीं पड़ता।

फॉलोअर्स से ने दिया साथ

लॉक अप सीजन 1 में जाने से पहले जहां अंजलि अरोड़ा के 11 मिलियन फॉलोअर्स हुआ करते थे वही अब बढ़कर 12.5 मिलियन हो गए हैं। ऐसे में फैंस को अंजलि का एक नया रूप देखने को मिलेगा। खतरों के खिलाड़ी में बड़े से बड़े खिलाड़ी की असलियत सामने आ जाती है। जब उनके सामने अतरंगी जानवर हों तो वो स्टाइल क्या डांस तक भूल जाते हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

रंगभेद का शिकार हो चुकी हूं : सुंबुल तौकीर

ए सुंबुल तौकीर खान छोटे पर्दे की चर्चित एक्ट्रेस हैं। बिग बॉस के सीजन 16 में सुंबुल को दर्शकों का खूब प्यार मिला। इससे पहले सुंबुल कई टीवी शो में अपने अभिनय का जलवा बिखेर चुकी हैं। इमली और चंद्रगुप्त मौर्य जैसे टीवी शो के अलावा सुंबुल आयुष्मान खुराना की फिल्म आर्टिकल 15 में भी नजर आई थीं। शो इमली से उन्हें अच्छी खासी पहचान मिली। मगर, हैरानी की बात है कि सुंबुल को स्टार बनाने वाले इस शो मे जब उन्हें कास्ट किया गया तो उन्हें खूब ताने सुनने को मिले थे। सुंबुल को उनके रंग के लिए खूब ट्रोल किया गया था। एक्ट्रेस के मुताबिक वह मुंबई डांसर बनने आई थीं, लेकिन फिर उनका मन एक्टिंग में लग गया। हालांकि, ऑडिशन के दौरान उन्हें डार्क स्किन की वजह से काफी मुश्किलें झेलनी पड़ीं। सुंबुल ने एक मीडिया बातचीत के दौरान बताया, मेरा शुरुआती दौर काफी कठिन रहा। मैंने बतौर बाल कलाकार करियर की शुरुआत की थी और जब भी मैं ऑडिशन के लिए जाती थी, वे सिर्फ फेयर स्किन वाले एक्टर्स चाहते थे। यह बहुत ही अपमानजनक बात थी। सुंबुल का कहना है, मैं ऐसी चीजें पसंद नहीं करती। मेरे लिए रंग मायने नहीं रखता है। सुंबुल ने आगे कहा, मुझे लगने लगा था कि अगर आप सांवली हैं तो आप लीड हीरोइन नहीं बन सकती हैं। अगर देखा जाए तो सभी हीरोइनें ज्यादातर गोरी ही थीं। मैं किसी के खिलाफ कुछ नहीं कह रही, लेकिन मैं ऐसा मानने लगी थी। ये स्टीरियोटाइप तब टूटा, जब मुझे इमली मिला। सुंबुल ने आगे बताया, जब मुझे इमली मिला तो चीजें तुरंत नहीं बदलीं। लोग फोन करते थे और कहते थे कि, अरे कैसी लड़की को कास्ट कर लिया है, काली है। उस दिन मुझे बहुत बुरा लगा था और मैं बहुत रोई भी थी, लेकिन प्रीमियर के बाद चीजें बदलने लगीं। शो की टीआरपी बढ़ गई। लोग भूल गए कि मैं कैसी दिखती हूं।

एसएस राजामौली के साथ काम करना चाहती हैं 'ड्रीम गर्ल'

बा हुबली निर्देशक एसएस राजामौली की चर्चा इस समय सारी दुनिया में है। हाल ही में आयोजित 95वें ऑस्कर अवॉर्ड में उनकी फिल्म आरआरआर के गाने नाटू नाटू ने बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग कैटेगरी में अवॉर्ड जीता है। फिल्म आरआरआर में राम चरण और जूनियर एनटीआर ने अहम भूमिका निभाई थी। वहीं, अब खबर है कि बॉलिवुड की ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी ने राजामौली के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की है।

हेमा मालिनी ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में कई मुद्दों पर अपनी राय रखी। इस दौरान जब उनसे पूछा गया कि वह बड़े पर्दे पर फिर कब वापस करेंगी तो एक्ट्रेस ने कहा, मैं कोई फिल्म या वेबसीरीज तभी करूंगी जब मुझे सही रोल्स मिलेंगे। मैं एक एक्ट्रेस हूं। मुझे अभिनय करना तभी अच्छा लगेगा, अगर कोई अच्छा रोल हो। वहीं, जब हेमा मालिनी से पूछा गया कि क्या वह एसएस राजामौली के साथ काम करना चाहेंगी। इसके जवाब में उन्होंने कहा, अगर डायरेक्टर एसएस राजामौली मुझे एक अच्छा रोल ऑफर करते हैं तो मैं निश्चित रूप से उनके साथ काम करना पसंद करूंगी। बता दें कि जब द एलिफेंट व्हिस्परस और RRR के गाने Naatu Naatu को ऑस्कर मिला था। तब हेमा मालिनी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने लिखा था- भारत को एक और उपलब्धि मिली। गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स के बाद आरआरआर ने अपने नाटू नाटू गाने के लिए ऑस्कर जीता है। अब इससे ज्यादा की चाहत नहीं कर सकते।

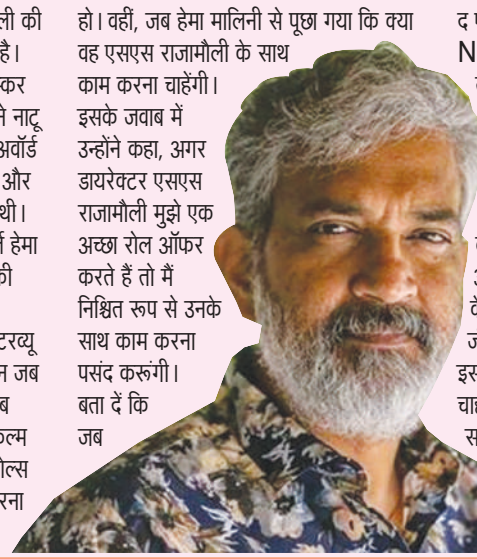

बॉलीवुड | मसाला

भगवान शिव का रहस्मयी पर्वत, बनी है 'ऊं' की आकृति, आती हैं ऊं जैसी आवाजें

यह दुनिया रहस्यों से भरी हुई है। इस धरती पर ऐसी ऐसी चीजें मौजूद हैं जिनके बारे में जानकर हर कोई चकित हो जाता है। वैज्ञानिक भी इन रहस्यों को आज तक नहीं सुलझा पाए हैं। भारत में ऐसा ही एक रहस्मयी पर्वत भारत में मौजूद है। बता दें कि हिन्दू धर्म ग्रंथों के अनुसार ब्रह्मांड का सृजन और उसके विनाश का जिम्मा संभालने वाले भगवान शिव कैलाश पर्वत पर अपने परिवार के साथ निवास करते हैं। माना जाता हैं कि विश्व में तीन कैलाश पर्वत हैं। पहला कैलाश मानसरोवर जो की तिब्बत में है, दूसरा आदि कैलाश जो उत्तरांचल में है और तीसरा है किन्नौर कैलाश जो की हिमाचल प्रदेश में है। लेकिन कैलाश पर जाने से पहले एक और पर्वत आता है, जिसे ओम पर्वत (ऊं पर्वत) के नाम से जाना जाता है। इस पर भी भगवान शिव का अस्तित्व माना जाता है। यह पर्वत भारत-तिब्बत की सीमा पर मौजूद है। इस पूरे पर्वत पर प्राकृतिक तौर पर ऊं की आकृति बनी हुई है। बता दें कि समुद्र तल से ओम पर्वत की ऊंचाई 6,191 मीटर (20,312 फीट) है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, हिमालय में कुल 8 जगह ओम की आकृति बनी हुई है, लेकिन अभी तक सिर्फ इसी जगह पर ऊं की खोज हुई है। इस ओम पर्वत से कई पौराणिक कहानियां भी जुड़ी हुई हैं। इस पर्वत पर प्राकृतिक तौर रूप से ऊं बना होने को लोग ईश्वर का चमत्कार मानते हैं। हिमालय में ओम पर्वत का एक विशेष स्थान है। माना जाता है कि इस जगह भी भगवान शिव का अस्तित्व रहा होगा। इस ओम पर्वत को आदि कैलाश या छोटा कैलाश भी कहा जाता है। इस पर्वत पर बर्फ गिरने से प्राकृतिक रूप से ओम की ध्वनि उत्पन्न होती है। यहां यात्रियों को प्राकृतिक रूप से ऊं की ध्वनि सुनाई देती है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसा पर्वत पर गिरने वाली बर्फ के कारण हो सकता है। जब इस पर्वत की चोटी पर सूर्य की पहली किरण पड़ती है, तो ऊं शब्द की स्वर्णिम आभा चमकने लगती है। हालांकि, यह पर्वत सदियों से यहां पर स्थित है, लेकिन यह पर्वत जनमानस के संज्ञान 1981 में आया। बता दें कि हिमालय पर्वत श्रृंखला में अभी भी कई चोटियां ऐसी हैं, जहां देवी-देवताओं का वास माना जाता है।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है दुनिया की सबसे महंगी लकड़ी,

एक किलो लकड़ी की कीमत में मिलेगा 10 तोला सोना

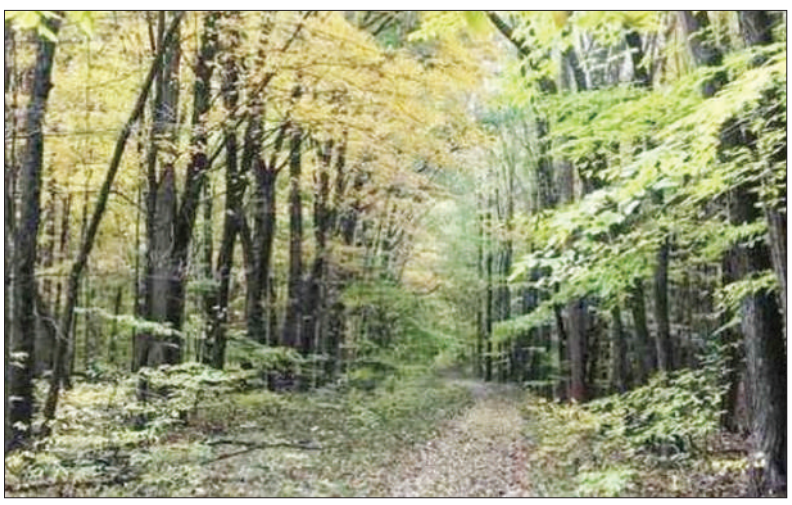

वैसे तो आपके घर के किसी कोने में लकड़ी का कोई न कोई टुकड़ा जरूर पड़ा रहता होगा। अगर ये भी नहीं हो तो घर में लकड़ी का फर्नीचर तो जरूर होगा ही। जिसकी कीमत कुछ हजार रुपये हो सकती है। वहीं अगर लकड़ी की बात करें तो आप 10-20 रुपये प्रति किलोग्राम से हिसाब से कहीं से भी लकड़ी खरीद सकते हैं लेकिन आज हम आपको एक ऐसे पेड़ के बारे में बताने जा रहे हैं जिसकी लकड़ी को दुनिया की सबसे महंगी लकड़ी माना जाता है। इस पेड़ की एक किलो लकड़ी की कीमत से आप लग्जरी कार या फिर 10 तोला सोना तक खरीद सकते हैं।

वैसे तो बचपन से हम सभी यही सुनते हुए आए हैं कि चंदन की लकड़ी दुनिया की सबसे महंगी लकड़ी होती है। इसीलिए इसकी तस्करी भी की जाती है। जिसकी कीमत 7 से 8 हजार रुपये किलो होती है। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि चंदन की लकड़ी से भी कहीं ज्यादा लकड़ी इस दुनिया में मौजूद है। जिसकी कीमत 7 से 8 हजार पाउंड यानी करीब 7 से 8 लाख है।

इस बात पर यकीन करना आपको थोड़ा मुश्किल होगा लेकिन ये बात बिल्कुल सही है कि अफ्रीका में पाया जाने वाला ब्लैक वुड पेड़ की लकड़ी बेहद महंगी होती है। जिसकी लकड़ी दुनिया की सबसे महंगी लकड़ी है। 25 से 40 फीट की ऊंचाई वाला यह पेड़ दुनिया के सिर्फ 26 देशों में पाया जाता है। यह पेड़ अधिकतर अफ्रीकी महाद्वीप के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में ही पाया जाता है।

बता दें कि अफ्रीकन ब्लैकवुड का पेड़ हर जगह नहीं पाया जाता। इसीलिए ये एक दुर्लभ प्रजाति का पेड़ माना जाता है। जिसके चलते इसकी लकड़ियों के दाम आसमान पर होते हैं। अफ्रीका के कुछ देशों में ही ब्लैकवुड का पेड़ पाया जाता है। वहां भी इनकी संख्या अन्य पेड़ों की तुलना में काफी कम होती है। जिसके चलते इसकी मांग बहुत होती है। बता दें कि अफ्रीकन ब्लैकवुड के पेड़ सेनेगल पूर्व से लेकर इरिट्रिया के अफ्रीकी सूखे क्षेत्रों के अलावा दक्षिण अफ्रीका के उत्तर पूर्वी भागों में पाए जाते हैं। इस दुर्लभ पेड़ की एक किलो लकड़ी से भी आप काफी सोना खरीद सकते हैं। इस पेड़ की लकड़ी 7 से 8 लाख रुपए किलो में बिकती है। इस पेड़ की एक किलो लकड़ी बेच कर आप एक लग्जरी कार खरीद सकते हैं। यही नहीं अगर आपके पास इससे भी ज्यादा मात्रा में इस पेड़ की लकड़ी है तो आप एक आलीशान घर के मालिक भी बन सकते हैं।

कहां है योगी जी का एंटी रोमियो स्क्वॉयड

मनचलों की छेड़खानी का शिकार बनी बिटिया, जहर खाकर दे दी अपनी जान

» पुलिस के पास कई बार गई पर नहीं हुई सुनवाई

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। मनचलों और गुंडो पर लगाम लगाने के लिए योगी सरकार द्वारा बनाए गए एंटी रोमियो स्क्वॉयड अब बस कागजों में रह गई है। मनचलों की मनमानी अब भी जारी है। उन पर पुलिस का खौफ भी नहीं है। उनकी गुंडागर्दी का शिकार मुरादाबाद के कुंदरकी में एक बारहवीं कक्षा की छात्रा (17)हुई है। इलाके में छेड़खानी से परेशान और पुलिस के रवैये से आहत होकर जहर खाने वाली बारहवीं कक्षा की छात्रा की उपचार के दौरान मौत हो गई।

निजी अस्पताल में उसका उपचार चल रहा था। मरने से पहले छात्रा ने दो पेज का सुसाइड नोट भी लिखा था। परिवार के लोगों ने पुलिस पर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। एसएसपी ने लापरवाही बरतने वाले दरोगा सचिन मलिक को निलंबित कर दिया। जबकि दो आरोपी गिरफ्तार कर लिए हैं। छात्रा के पिता ने बताया कि आठ मार्च को होली के दिन युवक विकेश ने एक घर में घुसकर बेटी के साथ छेड़खानी की थी। विरोध करने पर मारपीट की थी। इस मामले की शिकायत कुंदरकी थाने में की लेकिन पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई नहीं की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शांतिभंग में कार्रवाई करते हुए उसका चालान कर दिया था।

आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज

जानकारी मिलने पर एसपी देहात संदीप कुमार मीना, सीओ बिलारी सलोनी अग्रवाल ने अस्पताल पहुंचकर परिजनों को समझाकर शांत कराया। कुंदरकी थाने में आरोपी विकेश के खिलाफ छेड़खानी, धमकी देने और पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज किया। छात्रा का सुसाइड नोट मिलने के बाद मुकदमे में इमरत सिंह, हरज्ञान का नाम भी बढ़ाया गया है। इसके अलावा आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा भी बढ़ाई गई है। एसपी देहात संदीप कुमार मीना ने बताया कि आरोपी विकेश और इमरत सिंह को गिरफ्तार कर कर लिया गया है। इमरत सिंह रोजगार सेवक है। सोमवार शाम दोनों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां दोनों को जेल भेज दिया गया है, जबकि तीसरे आरोपी हरज्ञान सिंह की तलाश की जा रही है।

मैंने सबके सामने हाथ पैर जोड़े

मेरी मौत के लिए जिम्मेदार हरज्ञान, इमरत हैं, मैंने सबके सामने हाथ पैर जोड़ लेकिन हम गरीब लोगों की किसी ने भी नहीं सुनी, यह लोग पैसे देकर सबसे मना कर देते हैं। हमने प्रार्थना पत्र भी दिया और कुछ भी नहीं हुआ इनका। यह हम पर हंसते हैं। इसलिए मजबूर होकर मुझे यह कदम उठाना पड़ रहा है। यह दर्द छेड़खानी और पुलिस के रवैये से आहत होकर जान देने वाली छात्रा ने अपने दो पेज के सुसाइड पेज पर बयां किया। और अब मैं चाहती हूं मेरे जीते जी इन्हें सजा नहीं मिली इन्हें मेरे मरने के बाद सजा मिलनी चाहिए। इन्होंने हमारी मजबूरी का फायदा उठाकर हमें फंसाया है और हां लोग, फोन से क्या-क्या नहीं बना सकते हैं वैसे ही इन्होंने पता नहीं मेरे बारे भी क्या-क्या बना रखा है और रही लेटर की बात तो एक लड़की जो मेरी बहुत पक्की दोस्त थी और मेरे पास आकर बैठकर पता नहीं क्या-क्या लिखवाती थी।

छात्रा ने दो पेज का सुसाइड नोट लिखकर जहर खाया

बावजूद इसके आरोपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई। इससे तंग आकर पीड़िता ने रविवार को दो पेज का सुसाइड नोट लिखकर जहर खा लिया। उस वक्त छात्रा के परिवार के लोग खेत पर गए थे। परिजन घर लौटे तो छात्रा उल्टियां कर रही थी। शाम करीब पांच बजे बड़ी बहन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंची और भर्ती करा दिया, हालत गंभीर होने पर उसे कॉसमॉस अस्पताल भेज दिया था, जहां सोमवार सुबह करीब चार बजे छात्रा की मौत हो गई।

आरोपी छात्रा पर कसता था तंज

आरोपी छात्रा और उसके परिवार पर हंसता था और तंज कसता था आरोपी शाम को ही गांव आ गया था। इसके बाद आरोपी छात्रा और उसके परिवार पर हंसता था और तंस कसता था। आरोपी का दुस्साहस और बढ़ गया। पीड़िता नहाती तो आरोपी छत से उसे देखता और फोटो खींचने लगा था। परिवार ने इस मामले की शिकायत थाने और अफसरों के कार्यालय में प्रार्थनापत्र दिए।

मार्ग-प्रकाश विभाग के चिराग तले अंधेरा

» सड़के अंधेरे में डूबी, डीएम का आदेश भी बेअसर

» कैसरबाग से सिटी स्टेशन जाने वाली रोड पर छाया अंधेरा

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अधिकारियों की डांट का भी असर नगर निगम का मार्ग प्रकाश विभाग के कर्मचारियों पर नहीं पड़ता है। कईबार निर्देश देने के बाद भी सड़कों पर प्रकाश की व्यवस्था नही की गई है और कई इलाके अंधेरे में डूबे हैं। लखनऊ के डीएम सूर्यपाल गंगवार लगातार निरीक्षण कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई करने के आदेश जारी करते हैं जनता की समस्याओं के निराकरण के दावे करते हैं और लापरवाही करने वाले अधिकारियों को फटकार लगाते हैं उसके बावजूद भी नगर निगम का मार्ग प्रकाश विभाग उस कहावत को चरितार्थ करता हुआ नजर आता है दीपक तले अंधेरा।

कैसरबाग से सिटी स्टेशन जाने वाली रोड पर गहरा अंधेरा छाया हुआ है। यहां मार्ग प्रकाश विभाग की जिम्मेदारी बनती है कि सड़क के किनारे लगी हुई स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त करके वाहन चालकों व पैदल चलने वालों को अंधेरे से निजात दिलाई जा सके उसके बावजूद भी दर्जनों विद्युत पोलों से लगी हुई स्ट्रीट लाइट खराब हो गई है। दर्जनों शिकायतों के बाद भी जिम्मेदार मार्ग प्रकाश विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के कान पर जूं नही रेंकती नजर नहीं आती है। स्थानीय लोगों के मुताबिक अगर शीघ्र ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो सड़क जाम कर कर प्रदर्शन कर सकते हैं ।

लाटूश रोड में भी स्ट्रीट लाइट खराब

मार्ग प्रकाश विभाग कैसरबाग क्षेत्र में बेहतर तरीके से काम नहीं कर रहा है जिसका नतीजा है कि अब लाटूश रोड भी अंधेरे में डूबता हुआ नजर आ रहा है लाटूश रोड की बात करें लाटूश रोड पर भारी भीड़ रहती है। इस रोड पर भीड़ व वाहनो की अधिकाधिक संख्या और स्ट्रीट लाइट न होने की वजह से हादसे व अन्य वारदात होने की संभावनाएं भी प्रबल है।

अमृतपाल मामला: हाईकोर्ट सख्त, लगाई लताड़

» आज भी पंजाब में इंटरनेट बंद

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने खालिस्तान समर्थक और वारिस पंजाब दे का मुखिया अमृतपाल सिंह सिंह अभी भी फरार है। उसको लेकर आज चंडीगढ़ हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार व पुलिस को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा खूफिया तंत्र की नाकामी की वजह से अमृतपाल भागा है। वहीं पंजाब पुलिस ने उसकी तलाश तेज कर दी है। पंजाब पुलिस का कहना है कि अमृपाल सिंह की गिरफ्तारी अभी नहीं हुई है और पुलिस उसे पकड़ने के प्रयास कर रही है। पुलिस ने अबतक इस मामले में 118 लोगों को गिरफ्तार किया है।

अमृतपाल के 5 साथियों पर नेशनल सिक्योरिटी एक्ट (एनएसए) लगाया गया है। पंजाब पुलिस ने पहले दिन अमृतपाल के 78 समर्थकों को गिरफ्तार किया था, 34 को दूसरे दिन और दो अन्य को कल रात गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इनसे 10 हथियार भी बरामद किए हैं।

राज्य में शांति के साथ खिलवाड़ नही होनें देगें: सीएम मान

सीएम भगवंत मान ने एक संदेश जारी किया है। भगवंत मान ने कहा कि पंजाब में कानून-व्यवस्था चुस्त है। पंजाब की शांति से हम खिलवाड़ नहीं करने देंगे। इसमें किसी तरह का समझौता नहीं होगा। हम देश के खिलाफ काम करने वाले लोगों को छोड़ेंगे नहीं। मान ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से कुछ तत्व विदेशी ताकतों की मदद से पंजाब का माहौल खराब करने की बात कर रहे थे और नफरत भरे भाषण दे रहे थे।

उद्धव के करीबी अनिल को राहत

» बॉम्बे हाईकोर्ट ने अंतरिम सुरक्षा 23 तक बढ़ाई

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता अनिल परब को मिली अंतरिम संरक्षण की अवधि 23 मार्च तक बढ़ा दी है। यह मामला रत्नागिरि जिले के दापोली में एक रिसॉर्ट से जुड़ी कथित अनियमितताओं से संबंधित है।

परब ने हाई कोर्ट में एक याचिका दायर कर अपने खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले को रद्द करने और गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान करने का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे की अध्यक्षता वाली पीठ ने पिछली सुनवाई के दौरान परब की याचिका को 20 मार्च को सूचीबद्ध कर दिया था। इस दौरान पीठ ने ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) अनिल सिंह द्वारा दिए गए मौखिक आश्वासन को स्वीकार कर लिया था, जिसमें उन्होंने कहा कि परब के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

उमेश हत्याकांड : अशरफ के गुर्गे गद्दी को पुलिस ने दबोचा

» एसएसपी प्रभाकर चौधरी ने गिरफ्तारी की बात से किया इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली । उमेशपाल हत्याकांड में चल रही कार्रवाई के बीच बरेली जिला जेल में बंद माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ के गुर्गे लल्ला गद्दी को पुलिस ने दबोच लिया। एसओजी (स्पेशल आपरेशन ग्रुप) की टीम ने सोमवार रात करीब 11 बजे सैटेलाइट चौराहे पर स्थित उसे गाड़ी में ले जाती नजर आई। इसका वीडियो भी सामाने आया है। हालांकि एसएसपी प्रभाकर चौधरी ने इससे इनकार किया है।

6 सेकंड की वीडियो की शुरुआत में लल्ला गद्दी सेटेलाइट चौराहे पर ओवर ब्रिज के नीचे खड़ा दिखाई दे रहा है। तभी एसओजी प्रभारी सुनील शर्मा सरकारी गाड़ी से पहुंचते हैं और उसे अपने साथ गाड़ी में बैठा कर ले जाते हैं। प्रयागराज में राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल की हत्या की साजिश रचने में बरेली जेल में बंद अशरफ का नाम सामने आने के बाद से पुलिस लल्ला गद्दी की तलाश कर रही थी।

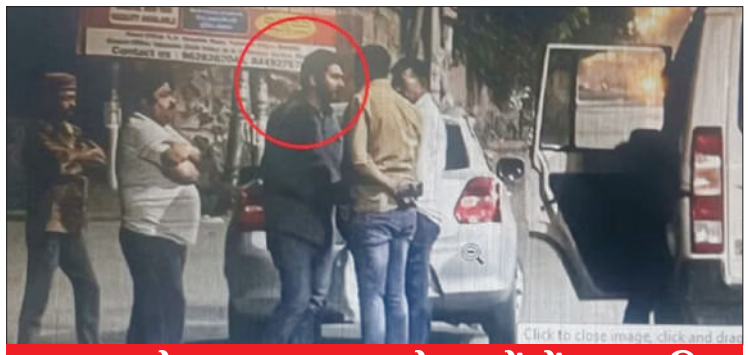

अशरफ से मुलाकात कराने वालों में था शामिल

उमेश पाल हत्याकांड की साजिश रचने वालों की मुलाकात अशरफ से कराने में मदद करता था। लल्ला गद्दी के साथ अशरफ का साला सद्दाम की शामिल था। सद्दाम पीलीभीत बायपास स्थित खुशबू एनक्लेव किराए के मकान में रहता था। पुलिस ने बिथरी थाने में लल्ला गद्दी और सद्दाम के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। इसकी जांच एसआईटी कर रही है। उधर, जेल में अशरफ से अवैध तरीके से मुलाकात कराने के मामले में जेलर और डिप्टी जेलर समेत सात निलंबित हो चुके हैं। दोस्त भाइयों के साथ कई लोग गिरफ्तार भी हो चुके हैं।

500 खिलाड़ियों को सरकारी सेवा से जोड़ेंगे : सीएम योगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पुलिस खेल कुंभ युवा शक्ति को खेल कूद की गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के नेतृत्व में अयोजित होने वाला यह आयोजन हमारी युवा पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक सिद्धांतों की नींव रखने में सहायक होगा।

उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की सुविधाओं को बढ़ाने के साथ ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को यूपी पुलिस और शासन की विभिन्न सेवाओं में स्थान देने की कार्रवाई को आगे बढ़ाया जा रहा रहा है। हम 500 से अधिक खिलाड़ियों को शासन की विभिन्न सेवाओं में स्थान देने जा रहे हैं जहां पर वह खेलकूद की गतिविधियों में भाग लेने के साथ ही बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ेंगे। पुलिस बल की यह ताकत होनी चाहिए कि जब देश या राज्य के अंदर कानून व्यवस्था का संकट आएगा तो सुरक्षा देंगे। वहीं शांतिपूर्ण स्थिति में अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए कार्य करेंगे।

फोटो : सुमित कुमार

9 वर्षों में खेल संस्कृति को दिया गया बढ़ावा

सीएम योगी मंगलवार को अखिल भारतीय पुलिस एथलेटिक्स संकुल चैंपियनशिप 2022-2023 में शामिल हुए। सशस्त्र सीमा बल के नेतृत्व में पीएसी 35वीं वाहिनी महानगर के ग्राउंड पर आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि इस आयोजन में 32 राज्यों के 1300 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं, जो इस कार्यक्रम की सफलता को बताता है। किसी व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में खेल की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। भारत की ऋषि मनीषा इस बात पर विश्वास करती रही है कि शरीर माध्यम खलु धर्म साधनम। यानी जितने भी हमारे जीवन के साधन हैं वह स्वस्थ शरीर से ही सम्पन्न हो सकते हैं। खेलकूद की गतिविधियां स्वस्थ शरीर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में पिछले नौ वर्षों के अंदर देश में खेल संस्कृति को हमने बढ़ते हुए देखा है।

फोटो :4 पीएम

इक्का-तांगा रेस लखनऊ विश्वविद्यालय से गोमती बंधा रोड तक अवध महोत्सव समिति की ओर से आज इक्का तांगा रेस का आयोजन किया गया। जिसमें शहर के इक्के वालों ने बढ़-चढ़कर हाथ आजमाया।

चोकसी पर से रेड कॉर्नर नोटिस हटी

» कार्रवाई पर नहीं होगा असर : सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मेहुल चोकसी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस (आरसीएन) रद्द होने से उसके खिलाफ चल रहे ऐसे मामलों पर कोई असर नहीं पड़ेगा जो ही एडवांस स्टेज में है। एक संबंध में एक संधि पहले से ही प्रभावी है। ऐसे में जैसे ही चोकसी को गिरफ्तार किया जाएगा, उचित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा और उचित कार्रवाई की जाएगी। सरकार से जुड़े सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है।

वहीं दूसरी ओर, इस मामले में मेहुल चोकसी के वकील विजय अग्रवाल ने कहा है कि इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस हटा दिया है। कानूनी टीम इस मामले को इंटरपोल के समक्ष उठा रही है। इंटेरपोल ने मेरे मुवक्किल (मेहुल चोकसी) पर से आरसीएन हटा दिया है और अब वह भारत को छोड़कर कहीं भी यात्रा करने के लिए स्वतंत्र है। हालांकि इससे भारत में लंबित उनके आपराधिक मुकदमे पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। यह आरसीएन एक प्रयास था कि उसे पकड़ा जा सके और यहां (भारत) लाया जा सके यदि वह कहीं भी यात्रा कर रहा है। ऐसे में अब उन्हें इस जोखिम से राहत मिल गई है। चोकसी के वकील के अनुसार मेरे क्लाइंट की कई शर्तों को देखने के बाद इंटरपोल ने इसे हटा दिया है। उनका केस अन्य मामलों से अलग है।

नोटबंदी मामले में सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वर्ष 2016 की नोटबंदी से जुड़े कुछ लोगों की तरफ से दाखिल व्यक्तिगत याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस पर फैसला आ चुका है इसलिए सभी व्यक्तिगत मामलों पर सुनवाई को बंद किया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि वह 12 हफ्ते के भीतर कानून के मुताबिक मामलों का निपटारा करे। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से छूट दी कि वह अधिकारियों से संपर्क करें। सुप्रीम कोर्ट ने नोट बंदी के सरकार के फैसले से जुड़े व्यक्तिगत मामलों में हाईकोर्ट जाने की इजात दी।

अभी और सताएगा मौसम, बारिश से बिगड़ेंगे हालात

» यूपी में नुकसान का आंकलन कर मुआवजा वितरित करें : मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूरे देश में अचानक से मौसम में बदलाव आ गया है। दो-तीन दिन से बारिश व ओलावृष्टि की वजह जहां ठंड जैसा एहसास होने लगा है वहीं फसलों को बहुत नुकसान हुआ है। उधर मौसम विभाग के अनुसार, इस हफ्ते कई राज्यों में बारिश के आसार बने हुए हैं। 23 मार्च से हालात और खराब होंगे। मौसम विभाग ने कुछ राज्यों के लिए येलो तो कुछ के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है।

23 मार्च से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान जैसे राज्यों सहित उत्तर पश्चिम भारत में तेज गरज के साथ बारिश शुरू होने की संभावना है। अहमदाबाद के मौसम विभाग की निदेशक मनोरमा मोहंती ने कहा कि मंगलवार को हल्की बारिश की संभावना के साथ गुजरात में अगले 3-4 दिनों तक हल्की बारिश हो सकती है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में हो रही बारिश, अतिवृष्टि और ओलावृष्टि के कारण हुई जनहानि, पशुहानि और फसलों के नुकसान का आकलन कराकर मुआवजा वितरित करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि अधिकारी राहत वितरण का कार्य जल्द से शुरू करें। उन्होंने अफसरों से फील्ड में भ्रमण कर लोगों की समस्याओं का जल्द से जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने राहत आयुक्त एवं प्रमुख सचिव नगर विकास के अधिकारियों को फील्ड में सर्वे करने एवं समस्याओं के तत्काल निस्तारण करने का निर्देश दिया।

कई राज्यों में ओलावृष्टि की वजह से फसलों को नुकसान

इन राज्यों में बारिश के आसार

मौसम विभाग के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश के कुछ अन्य हिस्सों, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में आज भारी बारिश (64.5 मिमी-115.5 मिमी) हो सकती है। आईएमडी ने असम और मेघालय को सोमवार के ऑरेंज अलर्ट पर रखा था। वहीं, बिहार, पश्चिम बंगाल, अरुणाचल में येलो अलर्ट जारी किया गया है। अगले तीन दिनों के दौरान पश्चिम बंगाल और सिक्किम और पूर्वोत्तर राज्यों में गरज और बिजली चमकने के साथ हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है। 22 तारीख को अरुणाचल प्रदेश, असम और मुगलिया में अलग-अलग जगहों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।